Ans. (b) – राजस्थान के प्रसिद्ध लेखक, कवि, और राजनीतिज्ञ दयालदास को महाराणा रतन सिंह (1828–51ई.) का संरक्षण प्राप्त था। दयालदास की ख्यात में राठौरों की उत्पत्ति से लेकर महाराजा सरदार सिंह (1857–72 ई.) के राज्यारोहण 1851ई. तक का इतिहास लिखा गया है। यह ख्यात बीकानेर राजवंश का विस्तृत विवरण जानने, मुगल, राठौर तथा मराठों के संबंध में सूचना प्राप्त के लिए महत्वपूर्ण ग्रंथ है।

656. 'राजविनोद' का रचयिता कौन था?

(a) नरौत्तम (b) सदाशिव भट्ट
(c) श्यामल दास (d) किशोरदास

Economic Investigator (उद्योग विभाग) -2018 (Exam Dt. 25 March 2019)

Ans. (b) – महाराणा साल के दरबारी कवि 'सदाशिव भट्ट' के द्वारा 16वीं सदी में 'राज विनोद' नामक ग्रंथ की रचना की गयी। इन्होंने एक और ग्रन्थ 'राजरत्नकारी' की भी रचना की।

657. निम्नलिखित में से किसे 'राजस्थान के कबीर' के नाम से जाना जाता है?

(a) दादू दयाल (b) पाबूजी
(c) गोगाजी (d) रामदेवजी

Economic Investigator (उद्योग विभाग) -2018 (Exam Dt. 25 March 2019)

Ans. (a) – प्रसिद्ध संत 'दादू दयाल' को राजस्थान का कबीर कहा जाता है। इन्हें उत्तर भारत की सन्त परम्परा का राजस्थान में एक घटक माना जाता है। इन्होंने 'दादू पंथ' की स्थापना की थी।

658. 'पद्मिनी चौपाई' किस भाषा में लिखित ग्रन्थ है-

(a) प्राकृत (b) डिंगल
(c) राजस्थानी (d) अपभ्रंश

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (c) – 'पद्मिनी चौपाई' राजस्थानी भाषा में लिखित है। राजस्थानी भाषा के प्रमुख कृतियां – बातॉं री फुलवारी (विजयदान देथा), राजस्थानी सबद कोश (सीताराम लालस), राजस्थानी शतक (उदयराम ऊसल) तथा लीलटांस (कन्हैया लाल सेठिया) है।

659. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना जिनराज सूरी की नहीं है-

(a) शालिभद्र रास (b) रास कैलास
(c) गजसुकमाल रास (d) कयवत्रा रास

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (b) – जिनराज सूरी की रचना शालिभद्र रास, गजसुकमाल रास एवं कयवत्रा रास है। रास कैलास इनकी रचना नहीं है।

660. एकलिंग प्रशस्ति का रचनाकार कौन था-

(a) रामकीर्ति (b) महेश्वर
(c) गुणभद्र (d) अमरकवि

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (b) – एकलिंग प्रशस्ति के रचनाकार महेश्वर (महेश भट्ट) थे। महाराणा रायमल द्वारा मंदिर जीर्णोद्वार के समय उत्कीर्ण कराया गया। इसमें मेवाड़ शासकों की वंशावली, तत्समय की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक जीवन की जानकारी का वर्णन मिलता है। इसमें बप्पा रावल के संन्यास लेने का वर्णन मिलता है।

661. वंशावलियों का पीढ़ी-दर-पीढ़ी लेखन करने वाला कौन वर्ग था-

(a) जागा (b) पुजारी
(c) महाजन (d) उपरोक्त सभी

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (a) – वंशावलियों का पीढ़ी-दर-पीढ़ी लेखन करने वाला वर्ग जागा था।

662. 'हरिमेखला' के रचयिता कौन थे?

(a) माहुक (b) जयानक
(c) श्यामलदास (d) सदाशिव

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (a) – हरिमेखला के रचयिता माहुक थे। जयानक ने पृथ्वीराज विजय महाकाव्य की रचना की थी। जयानक पृथ्वीराज चौहान के दरबारी कवि थे।

663.'राग कल्पद्रुम' के रचयिता हैं –

(a) राधाकृष्ण (b) कृष्णानन्द व्यास
(c) राणा हम्मीर (d) महाराणा कुम्भा

उत्तर – (b) **RPSC RAS/RTS-1992**

व्याख्या-''राग कल्पद्रुम'' नामक संगीत ग्रंथ के रचनाकार कृष्णानन्द व्यास हैं। राधाकृष्ण ने ''राग रत्नाकर'', महाराणा कुम्भा ने 'संगीत राज' तथा पं. भावभट्ट ने 'अनूप राग सागर', 'भावमंजरी व राग विवेक' तथा 'अनूप संगीत रत्नाकर' जैसे संगीत ग्रंथों की रचना की।

664. क्रान्तिकारी रचना 'चेतावनीरा का चूंगटिया' के रचयिता थे–

(a) श्यामजी कृष्ण वर्मा (b) दामोदर दास राठी
(c) केसरी सिंह 'बारहठ' (d) राव गोपाल सिहं

उत्तर - (c)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या—केशरी सिंह बारहठ क्रांतिकारी रचना 'चेतावनीरा का चूंगटिया के रचयिता थे। केशरी सिंह राजस्थान के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में प्रमुख थे।

665. रसिक-रत्नावली के लेखक थे–

(a) नागरिदास (b) माधोदास दघवाड़िया
(c) नर हरिदास (d) कवि हरसिंह

उत्तर - (c)

RPSC RAS/RTS 1999-2000

व्याख्या—'रसिक रत्नावली' के रचयिता राजस्थानी कवि नरहरिदास जी हैं जबकि 'वैराग्य सागर' तथा 'सिंगार सागर' नामक रचनाएँ नागरिदास की हैं। माधोदास पद्यवाड़िया ने `राजरूपक' नामक काव्य ग्रंथ की रचना की।

666. जयसिंह सूरी लेखक थे–

(a) हम्मीरमदमर्दन (b) हम्मीर महाकाव्य
(c) हम्मीर-हठ (d) हम्मीर रासो

उत्तर-(a)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—'हम्मीर मदमर्दन' के लेखक जयसिंह सूरी हैं। 'हम्मीर रासो' के लेखक शारंगधर तथा 'हम्मीरहठ' चन्द्रशेखर बाजपेयी की रचना है। 'हम्मीर महाकाव्य' नयचन्द्र सूरी द्वारा लिखा गया।

667. राजस्थान साहित्य की कौनसी श्रेणी कहानी या कथा विधा से सम्बन्धित है?

(a) वात (b) वेलि (c) वचनिका (d) विगत

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2012

व्याख्या – राजस्थान साहित्य की वात श्रेणी कहानी या कथा विधा से सम्बन्धित है।